Gujarat Board Textbook Solutions Class 8 Hindi पुनरावर्तन 2 Sem 2

1. निम्नलिखित परिच्छेद का शुद्ध रूप से पठन और लेखन कीजिए:

अच्छी सोसाइटी यदि मिले तो उसका बहुत अच्छा प्रभाव पड़ता है और इससे आत्मसंस्कार होता है। सोसाइटी में सम्मिलित होने से हमारी समझ बढ़ती है, हमारी विवेकबुद्धि तीव्र होती है, हमारी सहानुभूति गहरी होती है, हमें अपनी शक्तियों के उपयोग का अभ्यास होता है। हम अपने साथियों के साथ मिलकर बढ़ना सीखते हैं। इसी प्रकार हम दूसरों का ध्यान रखना उनके लिए कुछ स्वार्थ त्याग करना, सद्गुणों का आदर करना और सदाचार की प्रशंसा करना सीखते हैं। आत्मसंस्काराभिलाषी युवक को उस चाल-व्यवहार की अवहेलना नहीं करनी चाहिए जो भले
आदमियों के समाज में आवश्यक समझा जाता है।
उत्तर :
छात्र शुद्ध उच्चारण करते हुए, योग्य आवाज और योग्य गति से परिच्छेद को पढ़ेंगे। छात्र पढ़ते समय विरामचिह्नों की ओर भी ध्यान दें।

लिखते समय वर्तनी की शुद्धता पर ध्यान दें।

2. रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए :

एक कंजूस के पास काफी सोना – बक्से में भरकर खेत में गाड़ देना – रोज रात के समय गिनना – चोर का देख लेना – अशरफियों के बदले पत्थर भर देना – दूसरे दिन कंजूस का रोना – एक बूढ़े की सलाह, 'अब पत्थर गिन लेना।'
उत्तर :
एक कंजूस था। उसके पास सोने की बहुत अशरफियाँ थीं। उसने वे अशरफियाँ एक बक्से में रखीं थीं। अशरफियों की चिंता उसे रात को सोने भी नहीं देती थी। इसलिए उसने उन्हें खेत में गाड़ रखा था। वह रोज रात को जाता, जमीन में से बक्सा निकालता और अशरफियों को एक-एक कर गिनता था। सारी अशरफियाँ सुरक्षित देखकर ही उसे चैन पड़ता था।

एक दिन उसे अशरफियों को गिनते हुए एक चोर ने देख लिया। कंजूस जब अशरफियाँ गिनकर और बक्से को जमीन में गाड़कर चला गया, तब चोर ने सारी अशरफियाँ निकाल ली और बक्से में पत्थर के टुकड़े (कंकड़) भरकर उसे जमीन में गाड़ दिया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अगली रात बक्से में अशरफियों के बदले पत्थर के टुकड़े देखकर कंजूस के होश उड़ गए। वह फूट-फूटकर रोने लगा। उसे रोते देखकर पड़ोस के खेत के बूढ़े मालिक ने उससे कहा, "बक्से में रखीं अशरफियाँ तुम्हारे किसी काम की नहीं थीं। केवल गिनने के काम ही आती थीं ! तो अब उनके बदले पत्थर के टुकड़े गिनो। क्या फर्क पड़ता है?" कंजूस क्या बोलता ! वह सिर पीटकर रह गया।

4. एक दिन निखिल के पिताजी कुछ काम से बाहर गए थे। वह अपनी माँ के साथ सोया हुआ था। आधी रात को जब उसकी नींद उड़ गई तो देखा घर में चोर घुसे हुए थे। तिजोरी से गहने चुरा रहे थे। कुछ देर सोचने के बाद निखिल को उपाय सूझा....

(अब आप इस कहानी को आगे बढ़ाइए)....

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in